BSKG-173

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2025 एवं जनवरी, 2026 सत्रों के लिये)

BSKG-173 आधार संस्कृत

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

आधार संस्कृत : BSKG-173

सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : BSKG-173/2025-26

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

जनवरी, 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

सत्रीय कार्य : BSKG-173 आधार संस्कृत

सत्रीय कार्य – BSKG-173/TMA/2025-26 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

प्रश्न - 1 संस्कृत भाषा के लकारों का परिचय दीजिए । **10**

प्रश्न – 2 निम्न में से किन्हीं पांच के उत्तर लिखिए । 10

i) 'गुरोः' पद में कौन सी विभक्ति और कारक है?

ii) 'सीता वनम् गच्छति' – इस वाक्य में 'वनम्' किस कारक में है?

iii) सप्तमी विभक्ति का प्रयोग किन-किन अर्थों में होता है?

iv) आत्मनेपदी और परस्मैपदी धातुओं में क्या अंतर है?

v) लोट् लकार का प्रयोग किन परिस्थितियों में किया जाता है?

vi) 'रामः पुस्तकं पठति' – इस वाक्य का वाच्य परिवर्तन कीजिए।

प्रश्न -3 कोष्ठक में से उचित विकल्प का चयन कीजिए । **10**

i) सीता .....। (धावति /धावतः/धावसि)

ii) अहम् .....पठामि। (पुस्तकम्/पुस्तकस्य/पुस्तक)

iii) .....कलमेन पत्रं लिखति। (त्वं/ अहं /सा)

iv) भवान् ..... पठति। (काव्यम् / काव्ये / काव्यस्य)

v) अहं ..... गच्छामि। (विद्यालये / विद्यालयम् / विद्यालयस्य)

प्रश्न - 4 निम्नलिखित धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखें । **10**

i) अहं जलं _____ । (पा धातु, लट् लकार)

ii) भवान् गृहं _____ । (गम् धातु, लङ् लकार)

iii) बालकाः फलानि _____ । (खाद् धातु, लृट् लकार)

iv) भवान् पुस्तकम् _____ । (पठ् धातु, लोट् लकार)

v) सा पत्रं _____ । (लिख् धातु, लट् लकार)

प्रश्न – 5 निम्नलिखित में से पांच वाक्यों का संस्कृत अनुवाद कीजिए । **10**

i) वह बाज़ार जाएगा।

ii) मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ।

iii) हमें जल पीना चाहिए।

iv) बालिकाएँ उद्यान में खेलेंगी।

v) गुरु को नमन।

vi) तुम बैठो।

प्रश्न – 6 निम्नलिखित शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए- 10

i) त्वं राम शब्द के द्वितीया विभक्ति, बहुवचन रूप लिखिए।

ii) फल शब्द का तृतीया विभक्ति, एकवचन रूप लिखिए।

iii) गङ्गा शब्द का पञ्चमी विभक्ति, एकवचन रूप लिखिए।

iv) गुरु शब्द का प्रथमा विभक्ति, द्विवचन रूप लिखिए।

v) माता शब्द का षष्ठी विभक्ति, बहुवचन रूप लिखिए।

प्रश्न – 7 निम्नलिखित धातुओं से निर्देशानुसार प्रत्यय लगाकर शब्द लिखें । 10

i) भू + क्त्वा = _____

ii) कृ + क्त (नपुंसकलिंग) = _____

iii) खाद् + तुमुन् = _____

iv) गम् + क्त (पुल्लिंग) = _____

v) श्रु + क्त्वा = _____

प्रश्न – 8 निम्नलिखित पदों में नामोल्लेख पूर्वक सन्धि कीजिए। 10

i) लक्ष्मी+ ईशः =

ii) कवि + उपदेश =

iii) तस्य + अस्ति=

iv) वाक् + मय =

v) पम् + च =

प्रश्न – 9 निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए । 7 × 2 = 14

i) यः सर्वाणि भूतानि मत्करमणं मत्परः।
अनेन <u>भक्त्या</u> मां <u>भक्त्या प्राप्स्यते</u> नात्र संशयः॥

ii) <u>मय्यावेश्य</u> मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।
श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः॥

iii) <u>क्लेशोऽधिकतरस्तेषा</u>मव्यक्तासक्तचेतसाम् ।
अव्यक्ता हि गतिर्दुःखं <u>देहवद्भिरवाप्यते</u> ॥

प्रश्न – 10 प्रश्न संख्या 9 में दिए गए श्लोकों में अधोरेखित तीन पदों की संधि, क्रियारूप, विभक्ति तथा कारक आदि बताएं । 6